उपभोक्ताओं का बिजली बिल कम करने के लिए
बीआरपीएल ने किया फ्रेंच कंपनी श्नाइडर से समझौता

- एनर्जी ऑडिट कर बताएंगे कैसे करें अपना बिजली बिल कम
- बिजली बिल में 30 प्रतिशत तक की कमी संभव

नई दिल्लीः 18 जुलाई, 2013। बीआरपीएल अपने उपभोक्ताओं को एनर्जी ऑडिट की सुविधा उपलब्ध कराने जा रही है, जिससे उनके बिजली बिल में 30 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकेगी। इसके लिए बीआरपीएल ने फ्रांस की नामी कंपनी श्नाइडर से समझौता किया है। इस समझौते के तहत उपभोक्ताओं के घर या दफ्तर जाकर, उनका एनर्जी ऑडिट किया जाएगा। एनर्जी ऑडिट से जो निष्कर्ष निकलेगा, उसे उपभोकताओं के साथ साझा किया जाएगा। इस निष्कर्ष के आधार पर उन्हें बताया जाएगा कि उनका कौन सा बिजली उपकरण बहुत ज्यादा बिजली की खपत कर रहा है, किस उपकरण की सर्विसिंग उन्हें कब करानी चाहिए, और कौन सा उपकरण उन्हें इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। साथ ही, उन्हें दूसरे छोटे–छोटे टिप्स भी बताए जाएंगे, जो उनके घर का बिजली बिल कम करने में मददगार साबित होंगे।

क्या है एनर्जी ऑडिटः

एनर्जी ऑडिट के दौरान बीआरपीएल और श्नाइडर के इंजीनियर्स उपभोक्तओं के घर/ दफ्तर जाकर उनके बिजली लोड, लोड प्रोफाइल, पावर फैक्टर आदि का अध्ययन करेंगे। एनर्जी ऑडिट किसी भी अन्य ऑडिट की ही तरह है, जहां यह देखा जाता है कि उपभोक्ता के घर/ दफ्तर में लगे बिजली उपकरणों की कार्यक्षमता क्या है और वे अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं या नहीं। जैसे– एयरकंडीशनर को 12 घंटे चलाने पर कितनी यूनिट बिजली की खपत होनी चाहिए, और उपभोक्ता का एयरकंडीशनर कितनी यूनिट बिजली खा रहा है। ऐसे मुद्दों पर मुख्य फोकस रहेगा। एनर्जी ऑडिट में यह नहीं कहा जाएगा कि वे एयरकंडीशनर जैसे उपकरण कम चलाएं। बल्कि उन्हें ऐसे उपाय बताएं जाएंगे, जिन पर अमल करके, वे ज्यादा देर तक एयरकंडीशनर चलाते हुए भी अपना बिल कम कर सकेंगे।

पहले चरण में फाइव स्टार होटल्स व मॉल्स का एनर्जी ऑडिटः

पहले चरण में, फाइव स्टार होटलों, मॉल, इंडस्ट्री और कमर्शल कॉम्प्लेक्स जैसे बड़े उपभोक्ताओं का एनर्जी ऑडिट किया जाएगा, क्योंकि वहां बड़े पैमाने पर बिजली बरबाद होती है। यदि बड़े उपभोक्ता एनर्जी ऑडिट में सुझाए गए उपायों पर तुरंत अमल शुरू कर दें, तो दिल्ली में बेतहाशा बढ़ रही बिजली की मांग पर कुछ हद अंकुश लगाया जा सकता है।

वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट की रिसर्चः

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन स्थित वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट द्वारा किए गए रिसर्च में यह बात सामने आई है कि दिल्ली में 7000 मिलियन यूनिट्स बिजली बचाई जा सकती है। अगर रूपये के हिसाब से देखें, तो यह 200 करोड़ रूपये की बिजली है। यानी, दिल्ली के उपभोक्ता 200 करोड़ रूपये की बिजली बरबाद कर रहे हैं।

बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के मुताबिक– पर्यावरण की बेहतरी, ऊर्जा सुरक्षा और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, बीआरपीएल ने श्नाइडर के साथ साझेदारी की है। श्नाइडर दुनिया के बड़े ऊर्जा संस्थानों में से एक है, जिसका मुख्यालय फ्रांस में है। यह समझौता बीआरपीएल के ऊर्जा संरक्षण अभियान को एक नई उंचाई देगा। इस पहल के तहत, उपभोक्ताओं के घर/ दफ्तर जाकर उन्हें बिजली बचाने और बिजली बिल कम करने के उपाय बताए जाएंगे। बड़े उपभोक्ता इन उपायों पर अमल करके जहां अपने पैसे बचा सकेंगे, वहीं दूसरी ओर इस उपाय से बीआरपीएल के लिए बिजली बचेगी, जिसका इस्तेमाल दूसरे उपभोक्ताओं की बिजली मांग को पूरा करने में किया जाएगा।

श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एनर्जी मैनेजमेंट सर्विसेज विभाग में वाइस प्रेजिडेंट डॉ सतीश कुमार ने बताया– इस समझौते से बीआरपीएल और श्नाइडर, दोनों के पास जो ज्ञान है, उसका साझा उपयोग हो सकेगा। इससे उपभोक्तों के साथ–साथ पर्यावरण का भी फायदा होगा।